



राजस्थान फाउण्डेशन  
Rajasthan Foundation

# Rajasthan Foundation Newsletter राजस्थान फाउण्डेशन पत्रिका

Dec 2012



## जानें अपना राजस्थान

प्रवासी राजस्थानी युवाओं को अपनी मातृभूमि से जोड़ने का अभिनव प्रयास

राजस्थानी मूल के हजारों युवा जिनके पूर्वज राजस्थान के निवासी थे, वर्तमान में विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे हैं। राजस्थान मूल की इस ऊर्जावान युवा पीढ़ी को उनकी मातृभूमि से जोड़ने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार ने, 'जानें अपना राजस्थान' योजना बनाई है।

इस कार्यक्रम की घोषणा प्रवासी भारतीय दिवस 2012 के शुभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान, ने जनवरी 2012 जयपुर में की थी।

योजना की घोषणा के पश्चात् राजस्थान फाउण्डेशन ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। अगस्त 2012 में फाउण्डेशन के उपाध्यक्ष, श्री राजीव अरोड़ा ने इस योजना की पुस्तिका का विमोचन कर, योजना का विधिवत् उद्घाटन किया।

इस योजना का प्रमुख लक्ष्य प्रवासी राजस्थानी युवा वर्ग के हृदय में राजस्थान के गौरवशाली स्वरूप, सांस्कृतिक ऐश्वर्य एवं इसकी अद्भुत स्थापत्य कला के प्रति आदर भाव उत्पन्न करना, साथ ही साथ राजस्थान की आर्थिक, शैक्षणिक, तकनीकी एवं औद्योगिक प्रगति सहित राज्य के आधुनिक स्वरूप से उनको अवगत कराना है जिससे पूर्वजों की जन्मभूमि के प्रति युवाओं में स्नेह व आत्मीयता की भावना जागृत हो।

राजस्थान फाउण्डेशन इस योजना का नोडल विभाग है तथा पर्यटन विभाग से योजना के सुलभ क्रियान्वयन हेतु परस्पर सामंजस्य स्थापित किया जाएगा।

इस योजना में विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे 18 से 28 वर्ष आयुवर्ग के राजस्थानी मूल के युवक-युवतियाँ भाग ले सकेंगे।

''जानें अपना राजस्थान'' कार्यक्रम की समयावधि लगभग 10 दिवस की होगी और इस कार्यक्रम का आयोजन वर्ष में एक बार किया जायेगा।

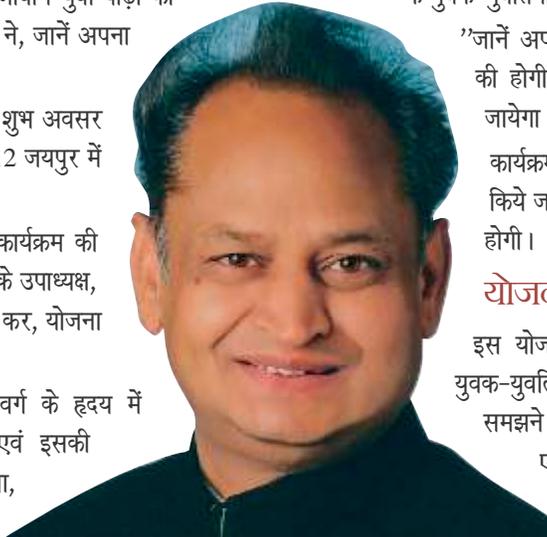
कार्यक्रम को रोचक एवं आकर्षक बनाने के लिए उसमें सम्मिलित किये जाने वाले प्रतियोगियों की सम्भवित संख्या 15 से 20 प्रति बैच होगी।

### योजना के उद्देश्य

इस योजना का मूल उद्देश्य राजस्थानी मूल के प्रवासी भारतीय युवक-युवतियों को राजस्थान को जानने, पहचाने एवं भली-भाँति समझने का सुअवसर प्रदान करना है ताकि विदेशों में रह रही समर्थ एवं प्रतिभा सम्पन्न युवा पीढ़ी अपनी मातृभूमि के उज्ज्वल स्वरूप को आत्मसात् कर सके व अपने पैतृक प्रदेश को विश्व रंगमंच पर उभारने में योगदान दे सकें।

योजना के अन्तर्गत ये प्रतिभागी राजस्थान की संस्कृति, कला वैभव, लोक संगीत, आध्यात्म-चेतना, कृषि एवं व्यवसाय, प्राकृतिक परिवेश से परिचित हो सकेंगे।

इस योजना का उद्देश्य प्रवासी युवा राजस्थानी प्रतिभागियों को राजस्थान की संगठनात्मक संरचना,



हम चाहते हैं कि पूर्वजों की  
जन्मभूमि के प्रति  
प्रवासी राजस्थानी युवाओं में  
स्नेह व आत्मीयता की भावना जागृत हो।  
राजस्थान मुख्यमंत्री, श्री अशोक गहलोत

राजनैतिक प्रक्रिया, सांस्कृतिक धरोहर एवं औद्योगिक परिदृश्य से अवगत कराना था।

## गतिविधियाँ

प्रवासी राजस्थानी युवाओं को इस कार्यक्रम के दौरान राज्य के प्रमुख ऐतिहासिक एवं दर्शनीय पर्यटन स्थलों, किलों, अभ्यारण्यों एवं ग्रामीण परिवेश आदि का निकट से अनुभव करवा कर अपनी मातृभूमि से भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

चूंकि आने वाले नवयुवक मण्डल में अधिकतर लोग स्नातक व स्नाकोत्तर अध्ययनरत होंगे, अतः उन्हें यहाँ के शैक्षणिक वातावरण को भी देखने और समझने का अवसर दिया जाएगा। इस दृष्टिकोण से उन्हें राज्य के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भी अवलोकन करवाया जाएगा। प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में प्रतिनिधिगण के दौरो के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श हेतु एक इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया जायेगा जिससे कि वे यहाँ के शैक्षणिक वातावरण से भलीभांति परिचित हो सकेंगे एवं राज्य के विद्यार्थी भी विचारों के आदान-प्रदान से लाभान्वित हो सकेंगे।

प्रतिभागियों को राज्य की प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं, इकाईयों, संस्थाओं एवं क्षेत्रों आदि का दौरा एवं अवलोकन करवाया जाएगा ताकि वे यहाँ के औद्योगिक परिदृश्यों को निकट से समझ सकें और कालान्तर में यहां के विकास में रुचि ले सकें।

राजस्थान की ग्रामीण कला, संस्कृति और वातावरण से प्रतिभागियों को खबर करवाने के दृष्टिकोण से उन्हें एक दिन के लिए अपने पैतृक गाँवों में ठहराया जाएगा जिसे एग्री-ट्यूरिज्म के नाम से भी जाना जा सकता है। कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी युवाओं के उनके अपने पैतृक गाँवों में आवास को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण संस्कृति की अन्य रोचक गतिविधियों को आयोजित किया जाएगा। ग्रामीण परिवेश के दर्शन के साथ-साथ गाँव के मेलों, खेलकूद गतिविधियों, मेहंदी माँडने, कुम्हार की चाक, आदि का जीवन्त अनुभव कराया जाएगा। गाँवों में निवास के दौरान प्रतिभागियों की पंचायत सदस्यों, सरपंचों तथा प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों से भेंट करवाई जाएगी।

राजस्थान की मरुभूमि एवं वन्य जीवन से भी उन्हें खबर करवाया जाएगा। इस दृष्टिकोण से राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों एवं अभ्यारण्यों के भ्रमण का एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम रखा जाएगा।

युवाओं की राज्य में संचालित प्रमुख स्वयंसेवी संस्थाओं (NGOs) यथा अक्षयपात्र फाउण्डेशन, जयपुर फुट, उमंग, दिशा इत्यादि से भी भेंट करवाई जाएगी जो महिला जागरूकता, बाल-विकास, साक्षरता एवं महिला सबलीकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।

## चयन प्रक्रिया एवं प्रतिभागी की अर्हताएं

प्रतिभागियों के चयन हेतु मापदण्ड निम्नानुसार होंगे:

- प्रतिभागी राजस्थानी मूल के प्रवासी भारतीय होने चाहिए।
- प्रतिभागी की आयु 18 से 28 वर्ष के मध्य होनी आवश्यक है। प्रतिभागी को सम्बंधित वर्ष के कार्यक्रम आयोजन माह की दिनांक 01 तक इस आयु सीमा में होना अनिवार्य है।

पासपोर्ट की फोटोकॉपी वांछनीय है।

- प्रतिभागी की शैक्षणिक योग्यता कम से कम स्नातक/पूर्व स्नातक होनी आवश्यक है।
- प्रतिभागी अंग्रेजी/हिन्दी भाषा में बातचीत करने एवं समझने में समर्थ होना चाहिए।
- आवेदन हेतु पंजीकरण शुल्क 25 अमेरिकन डॉलर अथवा समकक्ष राशि रखा गया है, जिसे प्रतिभागी द्वारा आवेदन पत्र भरने के उपरान्त टोकन राशि के रूप में राजस्थान फाउण्डेशन के बैंक खाते में जमा करवाया जायेगा।
- प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या अधिक होने पर लॉटरी द्वारा चयन किया जाएगा।
- पंजीकरण राजस्थान फाउण्डेशन की वेब साइट ([www.rajasthanfoundation.gov.in](http://www.rajasthanfoundation.gov.in)) के माध्यम से किया जा सकेगा। भारतीय राजनयिक मिशन, राजस्थान फाउण्डेशन के विभिन्न राज्यों एवं राष्ट्रों में संचालित चैप्टर्स तथा विभिन्न राजस्थानी एंजोसिएशन द्वारा प्रायोजित प्रतिभागियों के आवेदन पत्र राजस्थान फाउण्डेशन कार्यालय में स्वीकार किए जायेंगे।
- प्रतिभागी को यह शपथ-पत्र देना होगा कि उस पर किसी भी देश की आपराधिक प्रक्रिया/कार्यवाही लम्बित नहीं हैं।



श्री राजीव अरोड़ा, उपाध्यक्ष, राजस्थान फाउण्डेशन पुस्तिका विमोचन समारोह

- चयन के मापदण्डों एवं अर्हताओं की पात्रता की सुनिश्चितता राज्य स्तरीय समिति द्वारा सुनिश्चित/संशोधित की जाएगी।

## प्रतिभागियों को दी जाने वाली सुविधाएं

कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के आवास एवं प्रवास (Boarding and Lodging), भोजन इत्यादि की व्यवस्था तथा राज्य के विभिन्न स्थानों पर लाने व ले जाने (Internal Transport) में होने वाले व्यय का वहन राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान फाउण्डेशन के माध्यम से किया जाएगा।

विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की यात्रा का इकोनॉमी श्रेणी (Cheapest Economy Class Fare) के एयर टिकट का 90 प्रतिशत पुनर्भरण राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा किया जाएगा।

विदेशी प्रतिभागियों के वीजा शुल्क (VISA Fee) का 100 प्रतिशत पुनर्भरण राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा किया जाएगा।

प्रतिभागियों के आवास की व्यवस्था राज्य के गेस्ट हाऊस/आर.टी.डी.सी. होटल्स/बजट होटल्स आदि में (on Sharing Basis) की जाएगी। यदि कोई प्रतिभागी अपने आवास की व्यवस्था किसी तीन सितारा या पांच सितारा होटल में करना चाहता है तो उसका व्यय उसे स्वयं वहन करना होगा।

कार्यक्रम के अनुसार लोकल ट्रांसपोर्ट आदि की सुविधाएं दी जाएंगी।

प्रत्येक प्रतिभागी को 200 रुपये दैनिक भत्ते (Out of Pocket Allowance) के रूप में दिया जाएगा।

युवा पीढ़ी को अपनी मातृभूमि से जोड़ने की इस अनूठी पहल के निश्चय ही दूरगामी परिणाम होंगे। योजना का विस्तृत विवरण फाउण्डेशन की वेब साइट [rajasthanfoundation.gov.in](http://rajasthanfoundation.gov.in) पर उपलब्ध है।

# Rajiv Arora

The visionary, dynamic and energetic  
new Vice Chairman of Rajasthan Foundation



Mr. Rajiv Arora

Mr. Rajiv Arora took charge as Vice Chairman of Rajasthan Foundation (Minister of State) in May 2012. Born in Jaipur, Mr. Arora comes from a family of highly educated professionals, and himself holds post graduate degrees, in History and Business Administration (MBA).

Mr. Arora is well known for his initiatives and endeavors to promote Rajasthan's tourism when he served as Chairman of Rajasthan Tourism Development Corporation.

To safeguard the interests of exporters he has been chosen as the President of Federation of Rajasthan Exporters for five terms.

Late Shri Sunil Dutt nominated him as a member of the board of governors of 'Sadbhavana ke Sipahi' to spread communal harmony.

Mr. Arora has also served as a member of the governing board of Nehru Yuva Kendra Sangathan and as a member of Central Board of Film Certification (Government of Rajasthan).

In order to help Jaipur to get its rightful place among the most beautiful heritage cities in the world he became the founder member of the Jaipur Virasat Foundation.

Since early years of life he has displayed an inclination towards public service and leadership. He was the General Secretary of Rajasthan College and was also nominated as the President of Rajasthan University.

He was a founder member of National Students' Union of India (NSUI) and has served as General Secretary of Youth Congress. He was also spokesperson of the Pradesh Congress Committee and served in different capacities in the organization.

In 1978, he started a business of handicrafts with the name 'Amrapali' that later developed into an internationally renowned jewellery brand. Amrapali has outlets all over India, London and New York. His work took him to various parts across the world. Due to his keen design sense, his jewellery has found a place in the New York Fashion Week and Milan Fashion Week among many others. Amrapali jewellery has been adorned by numerous Hollywood celebrities and many Indian stars.

Harrods of London approached Amrapali to be a part of the prestigious up-market department store. He is the first Indian jeweller to be invited by Harrods to trade in its prestigious 'Fine Jewelry' room. He is also a patron of Disha, a school for physically and mentally challenged children. Within a short time since his joining as Vice-Chairman of Rajasthan Foundation, Mr. Arora has infused new energy into the organisation.

# From the Vice Chairman's Desk

Dear Rajasthani Brothers and Sisters,  
Namaskaar. I am delighted to connect with you, in this new capacity, as the Vice Chairman, Rajasthan Foundation . Through this office, I look forward to doing with greater enthusiasm what I have always liked doing interacting with all of you and playing a role in the socio-economic development of our motherland.

During my recent visits to Mumbai, Chennai, New York and Hong Kong and in my interactions with the Rajasthanis there, I was delighted to be witness to your attachment with Rajasthan and your urge to play a role in its development.

For centuries, eminent Rajasthanis have not only played a significant role in the development of the nation, but also have remained connected with the land of their origin. They have always earnestly contributed to social development of their hometowns through building of schools, colleges, hospitals and community assets. I am so pleased to see all of you upholding this tradition with full zeal.

I invite you to witness the rapid development of Rajasthan on all fronts under the committed leadership of Shri Ashok Gehlot, our honourable Chief Minister. While on the one hand, people in the remotest villages and farthest corners of the state are benefitting from innovative pro-poor schemes, on the other leading companies from farthest corners of the world are investing and locating in Rajasthan. His dream is to see Rajasthan among the most developed and progressive regions where the benefits of this development reached the most deprived sections of the society. The Government of

Rajasthan is working in all directions to see this dream as a reality. I assure you that the Rajasthan that we are building will make you as proud as we are of you. We plan to further strengthen Rajasthan Foundation as a forum for exchange of positive ideas and genesis of new initiatives with our Non Resident Rajasthanis.

I invite you all to use this platform actively and connect to the land of your origin.

Warm Regards,

Rajiv Arora

Vice Chairman, Rajasthan Foundation



# Rajiv Arora on Mission Connect

Shri Rajiv Arora, Vice Chairman, Rajasthan Foundation, visited various cities mainly with the objective of conveying the message of Hon'ble Chief Minister, Rajasthan for the Rajasthani Diaspora to associate them in the socio-economic development of their motherland. He also apprised them with the developmental programs of the State.

Shri Arora met the President and other office-bearers of the Rajasthan Foundation (RF) Chennai chapter and other prominent Non-Resident Rajasthanis at Chennai on 10th June 2012. Shri Arora was welcomed by the President of the RF Chennai Chapter, Shri Kailashmull Dugar. The main purpose of the visit was to discuss the future course of activities to be undertaken by the Rajasthan Foundation. It was suggested during the meeting that meetings of all chapters should be held to chalk out future program. Shri Jaswant Munoth, Secretary, RF Chennai Chapter, thanked Shri Arora.

Shri Arora, on this occasion, Shri Bansilal Rathi, Shri Sugalchand Nahar, Shri S S Goenka, Shri N Sugalchand Jain and many other eminent Non Resident Rajasthanis were also present.

Shri Rajiv Arora visited Hongkong on 24th June 2012 with the purpose of exploring the possibility of opening a chapter of Rajasthan Foundation there. Prominent NRIs were present in the meeting to name a few: Shri Sohan Goenka, Shri Nizamuddin Mansuri, Shri Atula Mehta, Shri Ashu Malpani. They were also briefed about the objectives and activities of the Rajasthan Foundation.

Shri Arora visited New York for interaction with the members of RANA and met the President Shri K K Mehta and other office-bearers of the RF New York chapter and other prominent Non-Resident Rajasthanis based at New York on 28 July, 2012. Shri Arora also attended a special function organized in his honour by the members of RANA and the Rajasthan Foundation Chapter of New York. He was presented a Certificate of Appreciation at the event. On this occasion, Shri Arora said that by the efforts of the Hon'ble



Shri Rajiv Arora felicitated by representatives of New York Chapter

Chief Minister, the Rajasthanis living outside the State and the country are bonding with their native land.

It was decided that the 'Rajasthan Divas' on 30 March, 2013 will also be celebrated with enthusiasm and gusto in New York, wherein the Rajasthani youth based at New York would be apprised of the culture and traditions of their motherland, i.e., Rajasthan.

To revamp the Rajasthan Foundation, Mumbai Chapter and to strengthen the bonds of Pravasi Rajasthanis with their state, an NRR Meet was organized at The Club Millennium, Juhu, Mumbai, on 18th August, 2012 under the chairmanship of Shri Rajiv Arora. Shri Arora spoke at the meeting about the 'Rajasthan Ratan Award'

Shri Rajiv Arora honored at Jaipur Pravasi Sangh



announced by the Hon'ble Chief Minister to mark the contribution of NRR community in their respective working sectors. The efforts of the Hon'ble Chief Minister, the Rajasthan is making all-round development and progress in every sphere of life. Shri Vinod Ajmera, Executive Director, Rajasthan Foundation, welcomed and briefed the audience about the functions and objectives of Rajasthan Foundation. Around

75 most eminent NRR's participated in the meeting. Eminent Pravasi Rajasthani Shri Shankar Kejriwal suggested to have a

Rajasthan Bhawan dedicated to the Pravasi Rajasthani community. Shri Ashok Saraf and Shri K.C.Jain emphasized on the need to have continuous interaction with the state, Shri Praveen Maheshwari, CFO, Hindalco Ltd. offered help for development through Social Corporate Responsibility, Shri Uttam Agarwal, Ex. Chairman, ICAI Regulatory Body briefed about his upcoming project in

Education sector in Abu Road with the investment of 90 crores (approx).



VC, Shri Rajiv Arora addressing the Rajasthan Foundation, Mumbai Chapter



## Siddharth Mahajan

joins as Commissioner, Rajasthan Foundation

Mr. Siddharth Mahajan, IAS took charge as the Commissioner, Rajasthan Foundation in October, 2012. Born in Delhi, Mr. Mahajan is an intellectual professional and holds Bachelor degrees in both Economics and Law.

He is a visionary leader who has deep inclination towards public service and a sense of responsibility for his state and for his people. He has successfully presided over various prestigious Government offices for around a decade now. Prior to joining as the

Commissioner, he served as Collector and District Magistrate of many districts in Rajasthan including Jodhpur, Sawai Madhopur, Baran and Sirohi. He has also worked as Officer on Special Duty, Department of Personnel, Rajasthan and Joint Magistrate, Nanital and Ranikhet.

Mr. Siddharth Mahajan is a man who believes in action and he will play an able and significant role in bringing the Rajasthani Diaspora together and connecting them with Rajasthan.

# राजस्थान में औद्योगिक विकास नये प्रस्तावों की स्वीकृति देगी नई दिशा

राजस्थान भारत में  
ही नहीं,  
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर  
पर भी निवेशकों  
की पसंद बन  
चुका है।



राज्य सरकार द्वारा गत कुछ वर्षों में किये गये प्रयासों के परिणाम स्वरूप राजस्थान भारत में ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी निवेशकों की पसंद बन चुका है। जहाँ एक ओर इंप्रोसिस, जेनपैक्ट व डोयशे बैंक जैसी नामी आई. टी. कम्पनियाँ यहाँ आ चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी औद्योगिक इकाईयाँ भी यहाँ स्थापित हो रही हैं। इनमें फ्रांसिसी कम्पनी सेन्ट गोबेन, फ्रांस की ही लाफार्ज व जापान की होंडा मोटर्स प्रमुख हैं। इस औद्योगिकरण को नई गति प्रदान करते हुए राज्य में आर्थिक विकास व रोजगार सृजन के उद्देश्य से राज्य के मंत्री मण्डल ने हाल ही में अपनी बैठक में 8808 करोड़ रूपयों के प्रस्तावित निवेश के 10 प्रकरण स्वीकृत किये। इनके द्वारा राज्य में 5576 रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

चम्बल फर्टीलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स लि. की कोटा में प्रस्तावित फर्टीलाइज़र इकाई के विस्तार हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना में 4500 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 150 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

जेसीबी इंडिया लि. की जयपुर में प्रस्तावित बैकहो लोडर, मेटिरियल हैंडलिंग इक्वूपमेन्ट तथा फेब्रिकेशन इकाई हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना में 5 वर्ष की अवधि में 500 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 1000 लोगो को रोजगार मिलेगा।

हीरो मोटोकॉर्प लि. को नीमराना एवं कूकस में प्रस्तावित उनकी टू-व्हीलर मैन्यूफेक्चरिंग व असेम्बलिंग की चौथी इकाई हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना के अन्तर्गत एक ग्लोबल पार्ट्स सेन्टर तथा एक डिजाइन डेवलपमेन्ट सेन्टर भी स्थापित किया जायेगा। इस परियोजना में 900 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 9000 लोगो हेतु रोजगार सृजित होगा।

पर्टो इंडिया प्रा. लि. की जयपुर में प्रस्तावित एटीएम मैन्यूफेक्चरिंग इकाई हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना में 168 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 1300

लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

केडिला फार्मास्यूटिकल्स लि. की उदयपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग इकाई हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना में 130 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 850 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

सिद्धी विनायक सीमेन्ट लि. की पाली में प्रस्तावित सीमेन्ट इकाई हेतु स्वीकृति दी गई। इस परियोजना में 1200 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा 200 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

मंगलम सीमेन्ट की कोटा में प्रस्तावित सीमेन्ट परियोजना स्वीकृत की गई जिसमें 553 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा लगभग 500 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

इसी प्रकार श्री सीमेन्ट की जयपुर में प्रस्तावित सीमेन्ट परियोजना स्वीकृत की गई जिसमें रूपये 572 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा लगभग 226 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा।

सूज़लोन एनर्जी लि. द्वारा प्रस्तुत किये गये रोटर ब्लेड मैन्यूफेक्चरिंग के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। यह परियोजना जोधपुर जिले में पोखरण में 85 करोड़ रूपयों के निवेश से स्थापित की जायेगी एवं इसके द्वारा 200 व्यक्तियों के लिये रोजगार सृजित होगा।

लूबोक इंडिया प्रा. लिमिटेड द्वारा सीकर में प्रस्तावित मिल स्केल वेस्ट प्रसंस्करण परियोजना को स्वीकृति दी गई जिसमें 200 करोड़ रूपयों का निवेश प्रस्तावित है एवं इसके द्वारा लगभग 150 लोगो को रोजगार उपलब्ध होगा। इस प्रकार राज्य में सीमेन्ट, विनिर्माण, ऑटो एवं ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश प्रोत्साहित करने का पुरजोर प्रयास किया गया है।



# The Padmas of Rajasthan 2012



## Dr. Arvind Panagariya

Dr. Arvind Panagariya was awarded with the Padma Bhushan, by Smt. Pratibha Devisingh Patil, Hon'ble former President of India. He is an economist & Jagdish Bhagwati Professor of Indian Political Economy at Columbia University. He is also a Non-resident Senior Fellow at the Brookings Institution and holds a Ph.D. in Economics from Princeton University.

He has served as the Chief Economist of the Asian Development Bank and as a Professor of Economics and Co-director, Center for International Economics, University of Maryland. He has also worked for the World Bank, IMF, WTO, and UNCTAD in various capacities.

Dr. Panagariya excels as an author and has written/edited ten books. His latest book, *India: The Emerging Giant* was published in March, 2008 by the Oxford University Press, New York. His previous books include 'The Economics of

Preferential Trade Agreements', 1996, AEI Press (with Jagdish Bhagwati) and 'Lectures on International Trade', 1998, MIT Press (with J. Bhagwati and T.N. Srinivasan).

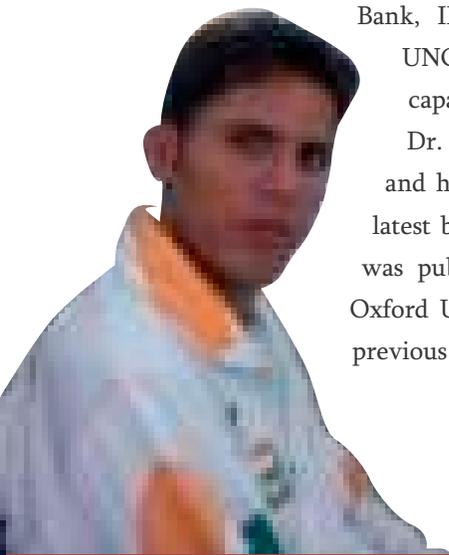
Dr. Panagariya is currently the editor of the *India Policy Forum*, a journal modeled on the *Brookings Papers on Economic Activity* and jointly published by the Brookings Institution, Washington DC and the National Council on Applied Economic Research, New Delhi.

He writes a monthly column in *The Economic Times*, India's top financial daily. He has also written guest columns in *The Financial Times*, *Wall*

*Street Journal*, *The Hindu*, *India Today* and *Outlook*. His technical papers have appeared in *The American Economic Review*, *Quarterly Journal of Economics*, *Review of Economic Studies*, *Journal of International Economics* and *International Economic Review* while his policy papers have appeared in the *Foreign Affairs*, *Foreign Policy*, *World Economy*, *Journal of International Affairs* and *Finance and Development*.



Hon'ble (Former) President of India, Smt. Pratibha Patil awarding Dr Panagariya with the Padam Bhushan Award



## Devendra Jhajharia Indian Paralympics Legend

Devendra Jhajharia, the gold medallist and the first and only paralympion from India to receive the Padma Shree Award. He is a one-armed javelin thrower and hails from a small village in Churu, Rajasthan.

He won the gold medal in javelin throw at the 2004 Summer Paralympics in Athens. He set up a new world record with 62.15m eclipsing the old one of 59.77m. He also won the gold medal in the 8th FESPIC Games (2002) in Korea. He is trained by Dronacharya Awardee coach Mr. R.D. Singh who found Devendra Jhajharia in a school competition in 1997

## Swapan Guha

Swapan Guha is the first Padma Shri Award recipient from the Indian ceramic Industry. Mr Guha is associated with bone china tableware for three decades now and he has set up industrial units in three villages of Rajasthan, generating employment for around 1200 local people. He is a fellow of The Institute of Ceramics. He graduated from Kolkata and started his career with Kerala Ceramics Ltd. A Government of Kerala undertaking, as a Research and Development Officer. In 1998, he joined Bharat Potteries Ltd. in Jaipur as Technical Advisor. Later, he went on to become the CEO and Director (Works) at NCL Industries Ltd. of Nagarjuna Group in Hyderabad as General Manager (Works) in their bone china and stoneware unit. In 1995, Mr Guha started a bone-china tableware unit named

Jaipur Ceramics Pvt. Ltd (JCPL) in Rajawas village near Jaipur. Mr Guha has also undertaken several projects for providing jobs

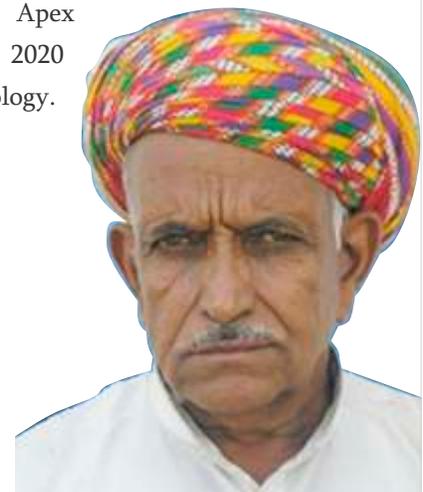


Hon'ble (Former) President of India, Smt. Pratibha Patil awarding Mr Guha with the Padam Shri Award

and educational opportunities to villagers of Rajawas, Jetpura and Govindgarh.

In 2002, Mr Guha, started another project called Hopewell Ceramics Pvt. Ltd. for manufacturing of ceramic colours, glazes, etc. in RIICO industrial area at village Jetpura. In the same year, he also started Kalpataru Ceraware Pvt. Ltd. for manufacturing of high tension electrical insulators. These two units together provide employment to more than 500 locals.

Mr. Guha is also the chairman of the Apex Committee for Technology vision 2020 Mission Project relating to rural technology.



## Mohanlal Chaturbhuj Kumhar

Mohan Lal is a world renowned sculpturist who was awarded with the Shilp Guru award in 2003 for his skills in terracotta sculpture. He was born in 1939 in Nathdwara, a small town in Rajasthan.

In the 23rd Surajkund Crafts Mela, he was awarded the precious Kalamani for his work in terracotta. His great passion for craft and shilp kala has taken him around the world. He has promoted the traditional art form in various countries like Spain, USA and Australia.

## Limba Ram

Limba Ram, an Indian archer has represented the country in various international championships including the Olympics. He is perhaps the most famous archer to have existed in the history of Indian Sports. Hailing from a small village called Saradeet in Udaipur district, Rajasthan. With his sheer determination, he went on to become one of the most successful Indian sports person in his discipline and made Rajasthan proud.

In 1987 at the age of 15, Limba Ram was spotted by the Sports Authority of India and from there his formal training in archery began. In the same year he became the champion in National Junior Level Archery Tournament held at Bangalore and in the following year, he represented India at the Seoul Olympics. His International career soon took off and he bagged many laurels for India starting from Beijing Asia Championship where he won a gold medal and then in the Barcelona Olympics where he won a bronze medal. The Government of India honoured him with the Arjuna award in 1991 and the Padma Shri Award in 2012.



Hon'ble (Former) President of India, Smt. Pratibha Patil presents the Padma Shri Award to Limba Ram

## Kamancha Maestro Sakar Khan

Sakar Khan hails from Hamira village in Rajasthan's Jaisalmer district. A living folk legend not just in his motherland, Rajasthan but even in the west including parts of Europe.

Belonging to the Manganiyar community who are well known for their classical and folk music, Sakar's instrument training began at a very young age under the tutelage of his father, Chunar Khan who himself was a learned Kamancha player.

Sakar Khan is a trained 'Kamancha' player and has received the highest Indian civilian honour the Padma Shri Award in 2012 for his invaluable

contribution to the Indian music. The Kamancha maestro has also shared the stage with world legends like Yehudi Menuhin and George Harrison (Beatles). He also has to his credit numerous international performances which include music festivals in USA, France, Japan and USSR.

Sakar Khan has also been honoured by prestigious Indian awards like Tulsi Samman in 1990 (Madhya Pradesh Government), Sangeet Natak Academi Award, 1991 (National award). To those who love traditional music, his music and kamancha connect the branches of music across continents.



# Pravasi Bharatiya Divas 2012



Valedictory Session, PBD 2012

Pravasi Bharatiya Divas is an annual celebration to connect India with its Diaspora through business deliberations, bonding and networking. Rajasthan was the Partner State for organizing this historic event in 2012 which was held from 7-9th January at the city of Jaipur. The 10th Pravasi Bharatiya Divas, was organized jointly by Government of India, Government of Rajasthan and Confederation of Indian Industry (CII). PBD is celebrated to commemorate the day that Mahatma Gandhi arrived back in India from South Africa to join India's freedom movement.

Rajasthan Pavilion, PBD 2012



Hon'ble CM Rajasthan, Shri Ashok Gehlot addressing the Inaugural Session at PBD 2012

Rajasthan Foundation was one of the nodal agencies that played a significant role in making this event historically successful. The theme for Pravasi Bharatiya Divas 2012 was "Global Indian-Inclusive Growth". The 10th Pravasi Bharatiya Divas was a wonderful opportunity

"PBD 2012 that was held in Jaipur is considered to be the most successful PBD so far", said Shri Vayalar Ravi, Minister, Ministry of Overseas Indian Affairs. The 10th Pravasi Bharatiya Divas achieved a break through record of visitors, surpassing visitor footfall in the previous years, with a total of 2014 delegates from 60 countries, who gathered in Jaipur for the event.

- PBD 2012, the most successful PBD edition so far
- Over 700 participants turned for the youth event at PBD,2012
- Announcement of 'Jaane Apna Rajasthan' Scheme



The brains behind the event, (from left)  
 1. Shri Sunil Arora, Secretary Industries  
 2. Hon'ble Chief Minister of Rajasthan, Shri Ashok Gehlot  
 3. Dr Purshottam Agarwal, Former Commissioner, Rajasthan Foundation  
 4. Mr. Vinod Ajmera, Executive Director, Rajasthan Foundation



The theme for Pravasi Bharatiya Divas -2012 was "Global Indian-Inclusive Growth".

for the Diaspora not only to experience the vibrant culture and hospitality of the State but also to witness its emergence as an ideal place for business and investment. The magic was experienced in a span of three days in the heart of Pink City. The focal point of the event was to have a meaningful and interactive session that would address issues and concerns of the overseas Indian community. Overseas Indians have emerged as important constituents of their adopted countries. They have contributed to their countries by participating in political processes and adding value to thought and innovation of their destination countries. They also serve to build bridges between their homeland and the land of their ancestors.

The event was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Prime Minister of India, who expressed his appreciation for the contributions made by the Indian community living abroad, and highlighted some of the Government's key initiatives for the overseas Indians.

Dr. Manmohan Singh announced a Pension and Life



Ms Renu Khator addressing the Youth Session, 'Global Indian-Inclusive Growth' at PBD 2012



Ms Kamla Prasad Bissessar, Chief Guest, PBD 2012 with the business delegation from Trinidad & Tobago

Insurance Fund for overseas Indian workers to encourage them to save a part of their earnings and to help them resettle when they return home to India. The Prime Minister appreciated the proposal of the Government of Rajasthan to build a Pravasi Bharatiya Bhawan at Jaipur, which will also house the offices of Protector of Emigrants and Migrant Resource Centre. The Chief Minister of Rajasthan, Mr. Ashok Gehlot, said that the Diaspora from Rajasthan is recognized throughout the world for its

# "The Chief Guest at the 10th Pravasi Bharatiya Divas was Ms Kamla Prasad Bissessar, Prime Minister of Trinidad & Tobago.

entrepreneurship and hard work. He announced the 'Jaane Apna Rajasthan' scheme, under which Non-Resident Rajasthani youth would be invited by the State Government every year to visit and experience Rajasthan.

"The Chief Guest at the 10th Pravasi Bharatiya Divas was Ms Kamla Prasad Bissessar, Prime Minister of Trinidad & Tobago. She congratulated the Government of Rajasthan for organizing the event which represented a spirit of unity and cooperation and provided a pragmatic and effective platform for Diaspora engagement.

The other dignitaries at the convention were business tycoon Mr. Lakshmi Nivas Mittal and cricketing legend Brian Lara.

Some of the noted speakers at the inaugural event were H.E Mr. Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India (and the then Union Finance Minister), H.E Shivraj V Patil (the then Governor of Rajasthan), Mr Arjun Munda (Hon'ble Chief Minister of Jharkhand), Shri Narendra Modi (Hon'ble Chief Minister of Gujarat), Mr. Oommen Chandi (Hon'ble Chief Minister of Kerala), Mr B. Muthuraman (President, CII and Vice Chairman, Tata Steel Ltd. and Chairman, Tata International Ltd), Mr Parvez Dewan (Secretary, Union Ministry of Overseas Indian Affairs) and Sam Pitroda (entrepreneur and policymaker).

Rajasthani Diaspora showed active participation in the state interactive session and discussed the state's NRI Policies at length. The exhibition of Rajasthani handicrafts and Rajasthan State Pavilion at the venue also proved to be a major centre of attraction.

Every year esteemed individuals from the Indian diaspora who have excelled in their contribution in public welfare services are awarded with the 'Pravasi Bharatiya Samman Award' at Pravasi Bhartiya Divas. Mrs. Pratibha Devisingh Patil gave away the prestigious Pravasi Bharatiya Samman Awards to Pravasi achievers from different fields. The closing ceremony of the PBD 2012 was marked by H.E Mrs. Pratibha Devisingh Patil (the then President of India) who emphasized on Health, Education and Skill Development as the key priorities of the country.

The 10th Pravasi Bharatiya Divas conclave concluded as a truly successful event which saw a colourful display, depicting the rich and vibrant Rajasthani culture, followed by 6 parallel brainstorming sessions convened on subjects such as water management, solar energy, health care, tourism and the potential of youth.

Shri L N Mittal at PBD 2012



## Vice Chairman Rajiv Arora Meets Indian Ambassador to Kuwait

The Vice Chairman of Rajasthan Foundation Shri Rajiv Arora met Mr. Satish Mehta, the Indian Ambassador to Kuwait. The focal point of the meeting held between, Mr. Arora and Mr. Satish Mehta was promotion of the 'Jane Apna Rajasthan' scheme announced by Shri Ashok Gehlot, Hon'ble Chief Minister of Rajasthan. The discussion emphasized on encouraging the participation of Non Resident Rajasthani (NRR) Youth from Kuwait in the program.

According to Mr. Satish Mehta, a connect between the 10,000

families of Indian diaspora living in Kuwait and their motherland India should be streamlined. Both Mr. Satish Mehta and VC, RF, Mr. Arora believe in developing a close and cordial bond between the Government of Rajasthan & the Indian Embassy in Kuwait.

A positive and firm assurance was given by Mr. Rajiv Arora that Rajasthan Foundation will play an active role in addressing the issues and concerns of the overseas Indians living in Kuwait. The discussion also paved way for the wonderful opportunity that existed for the Diaspora not only to experience the vibrant culture and hospitality of the State but to witness its emergence as an ideal place for business and investment.

Shri Ashok Gehlot, Hon'ble Chief Minister of Rajasthan also met Mr. Satish Mehta and expressed his desire to felicitate NRRs of Kuwait in association with Rajasthan Foundation for the laurels and goodwill they have brought to their motherland.



Shri Rajiv Arora with Mr. Satish Mehta, the Indian Ambassador to Kuwait

## Pravasi Bharatiya Samman Awardees - 2012

Pravasi Bharatiya Samman Award (Overseas Indian Award) is conferred by the Hon'ble President of India every year during the valedictory session of Pravasi Bhartiya Divas. In 2012 the noted personalities from diverse fields were honored with the Pravasi

Bharatiya Samman Award. Smt. Kamla Persad Bissessar, the Hon'ble Prime Minister of the Republic of Trinidad and Tobago, Shri P.V Radhakrishna Pillai from Bahrain, Professor Sachchidanand Sahai from Cambodia, Shri Deepak Naraindas Shivdasani, a Cote D'Ivoire-based businessman, Dr. Victor Shahed Smetacek, a renowned scientist from Germany, Shri Jose Parayanken businessman from Mozambique, Smt. Kiran Navinchandra Aher from Oman, Shri Hassan Abdulkarim Chougule from Qatar, Shri S R Nathan, former President of Singapore, Dr. Khorshed Noshir Ginwala-Rustomjee from South Africa, a medical practitioner, Shri Rajesh Kumar Saraiya from Ukraine, Professor Surendra Kumar Kaushik from the US, Dr. Kalpalatha Kummamuri

Guntupalli from the US and Shri Prakash Lohia, Chairman of Indorama Corporation, Indonesia. Mr. S P Lohia has brought glory to the country by his achievements which include expansion of his business empire across many countries.



Shri S P Lohia receiving Pravasi Bhartiya Samman Award from Hon'ble (Former) President

professional life in Indonesia. In 2012 Mr. Lohia was ranked as the 8th richest person in Indonesia with a net worth of US\$2 Billion. He has more than thirty three years of experience in the industry and he sits on the board of various companies.

Shri S P Lohia was also one of the recipient of the Pravasi Bharatiya Samman Award, 2012. He is the Founder and Chairman of Indorama Corporation and Indorama Ventures PCL. Indorama Corporation is a diversified petrochemical and textile company while Indorama Ventures is most notably the world's largest producer of polyester. An influential business magnet, Mr. S P Lohia has spent the majority of his

# Pride of Rajasthan



Rajasthani origin Mr. M K Patodia is a Fellow Member of The Institute of Chartered Accountants of India. His family hails from Navalgarh, a small town in Rajasthan. Mr. M K Patodia is the visionary behind The GTN Group which produces world class cotton yarn and textiles. Under his able guidance and generation-next leadership the GTN group's operations reached new heights and has emerged as the largest exporter of cotton yarn in the mill sector in India with 15 consecutive years of Texprocil Awards for best export performances.

Backed by over 30 years of rich experience in various capacities as the promoter of business in manufacturing cotton yarn, Mr. Patodia established close touch with the cotton markets worldwide.

Mr. Patodia has been recognized for his unique and outstanding achievements as an innovative business leader. He received the 'Best Entrepreneur' award in the year 2004 by Hyderabad Management Association. He has also presided over prestigious Government offices and he was also the Vice Chairman of CII (Confederation of Indian Industry), AP Region in 2004-05 and 2005-06.

## Rajasthan Welcomes Spanish Investors

CEVISAMA 2012 was an international trade show held in Valencia, Spain between 7 to 10 February, 2012. The objective behind the event was to promote trade of ceramic tiles, surface coverings, bathroom & kitchen equipment, raw materials, glazes, frits and machinery. Over 450 exhibitors participated in the program.

A six member delegation from Rajasthan went to Spain to participate in the trade show in 2012 to promote CeraGlass India 2012 (an International B2B Trade Fair & Conference on Ceramics Glass & Allied Products) and the proposed Ceramic Zone in Rajasthan. The delegation members included Mr. Vinod Ajmera and senior officers from RICCO, Bureau of Investment Promotion and Confederation of Indian Industries. Mr. Ajmera along with Mr. Bhanawat briefed about the proposed Ceramic Zone in Rajasthan and invited Spanish companies to invest in Rajasthan. He also invited the Spanish companies to participate at CeraGlass India 2012 and use it as a platform to exhibit, collaborate and explore business opportunities in Rajasthan.



Shri Vinod Ajmera with Spanish Investors at CEVISANA 2012



# Young Indians (YI) Jaipur Chapter launch

Young Indians (Yi) is an integral part of the Confederation of Indian Industry (CII), a non-government, not-for-profit industry playing a proactive role in India's development process. Yi was formed in the year 2002, with an objective of promoting leadership skills and creating a platform for young Indians to realise the dream of a developed nation.

Yi has around 1200 direct members in 24 city chapters, 160 members in 3 corporate chapters and engages around 12,000 members through its district chapter.

YI Jaipur chapter would contribute towards realizing the dream of a developed Rajasthan and in making YI the voice of Rajasthani Youth globally.

Mr. Rajiv Arora, Vice Chairman Rajasthan Foundation launched the 26th chapter of Young Indians on 19th October, 2012 at Jaipur. In his address he mentioned that the launching of YI Jaipur chapter would contribute towards realizing the dream of a developed Rajasthan and in making YI the voice of Rajasthani Youth globally.

Yi membership includes young progressive Indians between the age group of 25 & 40 and comprises entrepreneurs, professionals and achievers from different walks of life.

It has successfully conducted campaigns and developed projects in India across the focus area of education, environment, healthcare, next practices, employability and arts contributing positively to its surrounding eco system and the nation.

On the international arena, Yi has engaged with the BMW Foundation to promote the "Indo German Young Leaders Forum" for young thought leaders from both countries to engage in a constructive dialogue for improving trade, economic and people relations. It also joined hands with the Commonwealth Youth Programme, Asia Centre to facilitate and organise the 'Envisioning Workshop' of Youth Entrepreneurship organisations in the Commonwealth Asia Region to form the Commonwealth Asia



Shri Rajiv Arora at the Young Indians Jaipur Chapter Launch

Alliance of Young Entrepreneurs.

The National Summit of Yi is a yearly feature that helps the young minds to connect with people and organizations that have displayed excellence through their work and stand out as an inspiration to the youth today. Its newly launch chapter in Jaipur will surely provide a good platform and international exposure to the youth of Jaipur.

With nine years of glorious past and decades ahead that promise nothing short, Yi intends to become a larger movement of young people and promote the attitude of "We Can, We Will".



Rajasthan Foundation looks forward to hearing from you. Kindly get in touch with us at:

Rajasthan Foundation, Yojana Bhawan, Yudhishtir Marg, C-Scheme, Jaipur 302005, Rajasthan, India. Tel: +91 141 2229091, Commissioner (Direct): +91 141 2229111, Executive Director (Direct): + 91 141 2229444, Fax: +91 141 5113224

E-mail: rajfound-rj@nic.in www.rajasthanfoundation.org